# CUET-UG Hindi Sample Paper-8

**Duration: 1 Hour** **Maximum Marks: 250**

## Instructions

- This paper contains a total of 50 Multiple Choice Questions.
- Each correct answer carries **+5 marks**.
- Each incorrect answer carries **-1 mark**.
- No negative marking for unattempted questions.

## गद्यांश 1: साहित्यिक (साहित्य और संस्कृति)

"आज का समाज तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहाँ तकनीकी उन्नति ने मानव जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है। संचार के साधनों में क्रांतिकारी बदलाव ने दूरियों को भले ही भौतिक रूप से कम कर दिया हो, परंतु मानसिक और भावनात्मक दूरी में वृद्धि देखी जा रही है। व्यक्ति अब अधिक समय आभासी दुनिया—जैसे सोशल मीडिया, ऑनलाइन मंचों और डिजिटल नेटवर्क—में व्यतीत करने लगा है, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक जीवन के रिश्तों की गहराई धीरे-धीरे कम होती जा रही है।

इसके अतिरिक्त, यह प्रवृत्ति व्यक्ति को एक प्रकार के आत्मकेंद्रित व्यवहार की ओर भी ले जा रही है, जहाँ वह अपने व्यक्तिगत हितों और उपलब्धियों को सामाजिक संबंधों से अधिक महत्व देने लगता है। पारिवारिक संवाद में कमी, मित्रता के संबंधों में औपचारिकता, तथा सामूहिक गतिविधियों में घटती भागीदारी इस परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि व्यक्ति तकनीकी सुविधाओं का उपयोग करते हुए भी मानवीय मूल्यों, सहानुभूति और आपसी संवाद को बनाए रखने का प्रयास करे, ताकि जीवन में संतुलन और सामंजस्य बना रहे।"

**Q1.** गद्यांश के अनुसार आधुनिक जीवन की प्रमुख समस्या क्या है?

(A) अज्ञान

(B) तनाव और भागदौड़

(C) गरीबी

(D) अशिक्षा

**Q2.** 'भागदौड़ भरा जीवन' से क्या आशय है?

(A) आरामदायक जीवन

(B) व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन

(C) खेल-कूद का जीवन

(D) सामाजिक जीवन

**Q3.** तनाव का मुख्य कारण क्या बताया गया है?

(A) शिक्षा

(B) प्रतिस्पर्धा

(C) परिवार

(D) मनोरंजन

**Q4.** गद्यांश के अनुसार समाधान क्या है?

(A) अधिक काम करना

(B) संतुलित जीवन शैली अपनाना

(C) प्रतिस्पर्धा बढ़ाना

(D) अकेले रहना

**Q5.** गद्यांश का स्वर कैसा है?

(A) हास्यपूर्ण

(B) चेतावनीपूर्ण

(C) प्रशंसात्मक

(D) निरपेक्ष

**Q6.** 'संतुलित जीवन' का अर्थ क्या है?

(A) केवल काम करना

(B) काम और आराम में संतुलन

(C) केवल आराम करना

(D) मनोरंजन करना

## गद्यांश 2: वैचारिक (शिक्षा और समाज)

"शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के समग्र विकास का आधार भी है। यह न केवल बौद्धिक क्षमता को विकसित करती है, बल्कि नैतिक मूल्यों, सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सजग होने के साथ–साथ अपने कर्तव्यों का भी पूर्णतः निर्वहन करता है, जिससे समाज में संतुलन और व्यवस्था बनी रहती है।

वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप काफी हद तक व्यावसायिक और प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है, जहाँ इसका प्रमुख उद्देश्य रोजगार प्राप्त करना और आर्थिक स्थिरता हासिल करना रह गया है। परिणामस्वरूप, चरित्र निर्माण और नैतिक विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की उपेक्षा होने लगी है। यदि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित रह जाए, तो यह समाज के व्यापक हितों के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है। अतः आवश्यक है कि शिक्षा प्रणाली में ऐसे मूल्यों को समाहित किया जाए, जो व्यक्तियों को न केवल कुशल पेशेवर बनाएं, बल्कि उन्हें संवेदनशील, उत्तरदायी और जागरूक नागरिक भी तैयार करें।"

**Q7.** गद्यांश का मुख्य विषय क्या है?

(A) शिक्षा

(B) पर्यावरण संरक्षण

(C) तकनीक

(D) स्वास्थ्य

**Q8.** पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारण क्या है?

(A) प्राकृतिक परिवर्तन

(B) मानव गतिविधियाँ

(C) वर्षा

(D) वनस्पति

**Q9.** 'प्राकृतिक संतुलन' का क्या अर्थ है?

(A) केवल पेड़–पौधे

(B) प्रकृति के तत्वों का संतुलन

(C) केवल जल

(D) केवल वायु

**Q10.** गद्यांश के अनुसार हमें क्या करना चाहिए?

(A) प्रदूषण बढ़ाना

(B) प्रकृति का संरक्षण करना

(C) पेड़ काटना

(D) जल बर्बाद करना

**Q11.** गद्यांश का स्वर कैसा है?

(A) प्रेरणात्मक

(B) हास्यपूर्ण

(C) व्यंग्यात्मक

(D) नकारात्मक

**Q12.** 'संरक्षण' का अर्थ क्या है?

(A) नाश करना

(B) सुरक्षा करना

(C) उपयोग करना

(D) बदलना

## गद्यांश 3: नैतिक (परोपकार और निस्वार्थता)

"प्रकृति हमें निस्वार्थ सेवा का महत्वपूर्ण संदेश देती है। वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते, बल्कि दूसरों के हित के लिए उन्हें प्रदान करते हैं। इसी प्रकार नदियाँ अपने जल को संचित नहीं करतीं, बल्कि निरंतर बहाकर समस्त जीवों के जीवन को बनाए रखती हैं। सूर्य बिना किसी अपेक्षा के प्रकाश देता है और चंद्रमा शीतलता प्रदान करता है। पवन भी बिना किसी स्वार्थ के प्राणियों को जीवनदायिनी ऊर्जा देता है।

इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि प्रकृति का प्रत्येक तत्व निस्वार्थ भाव से कार्य करता है। यह हमें सिखाता है कि सच्चा महान वही है, जो बिना किसी अपेक्षा के दूसरों के हित में

कार्य करता है। परोपकार और निस्वार्थता ही जीवन के उच्चतम मूल्य हैं, जिन्हें अपनाकर मनुष्य समाज में वास्तविक सम्मान प्राप्त कर सकता है।"

**Q13.** गद्यांश का मुख्य संदेश क्या है?

(A) प्रकृति का सौंदर्य

(B) निस्वार्थ सेवा और परोपकार

(C) जल संरक्षण

(D) वायु का महत्व

**Q14.** वृक्ष और नदियों का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है?

(A) उनकी उपयोगिता बताने के लिए

(B) उनकी सुंदरता दिखाने के लिए

(C) निस्वार्थ सेवा का भाव समझाने के लिए

(D) प्राकृतिक संसाधनों की कमी बताने के लिए

**Q15.** 'निस्वार्थ' का क्या अर्थ है?

(A) स्वयं के लाभ के लिए कार्य करना

(B) बिना किसी अपेक्षा के कार्य करना

(C) धन कमाने के लिए कार्य करना

(D) प्रसिद्धि पाने के लिए कार्य करना

**Q16.** सूर्य और चंद्रमा का उल्लेख किस उद्देश्य से किया गया है?

(A) उनकी शक्ति बताने के लिए

(B) उनकी गति बताने के लिए

(C) उनकी निस्वार्थता दिखाने के लिए

(D) उनकी दूरी बताने के लिए

**Q17.** गद्यांश के अनुसार सच्चा महान कौन है?

(A) जो धनी हो

(B) जो शक्तिशाली हो

(C) जो दूसरों के हित में कार्य करे

(D) जो प्रसिद्ध हो

**Q18.** गद्यांश का स्वर कैसा है?

(A) हास्यपूर्ण

(B) उपदेशात्मक

(C) व्यंग्यात्मक

(D) निराशाजनक

## Vocabulary - Synonyms & Antonyms

**Q19.** 'अभिमान' का विलोम क्या है?

(A) गर्व

(B) विनम्रता

(C) क्रोध

(D) घृणा

**Q20.** 'उत्साह' का पर्यायवाची क्या है?

(A) निराशा

(B) जोश

(C) शोक

(D) डर

**Q21.** 'कठिन' का विलोम क्या है?

(A) सरल

(B) जटिल

(C) भारी

(D) गंभीर

**Q22.** 'धैर्य' का अर्थ क्या है?

(A) जल्दबाजी

(B) सहनशीलता

(C) क्रोध

(D) घबराहट

**Q23.** 'लाभ' का विलोम क्या है?

(A) हानि

(B) फायदा

(C) कमाई

(D) वृद्धि

**Q24.** 'विवश' का अर्थ क्या है?

(A) स्वतंत्र

(B) मजबूर

(C) सक्षम

(D) संतुष्ट

**Q25.** 'अवमानना' का विलोम क्या है?

(A) सम्मान

(B) अपमान

(C) तिरस्कार

(D) घृणा

**Q26.** 'विवेक' का अर्थ क्या है?

(A) मूर्खता

(B) समझ–बूझ

(C) अज्ञान

(D) आलस्य

**Q27.** 'संकुचित' का विलोम क्या है?

(A) विस्तृत

(B) सीमित

(C) छोटा

(D) न्यून

**Q28.** 'अनुशासन' का पर्यायवाची क्या है?

(A) अव्यवस्था

(B) नियम

(C) अराजकता

(D) स्वतंत्रता

## मौखिक योग्यता (Rearranging Sentences)

**Q29.** निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम में लगाइए: (1) सूरज निकला (2) सुबह हुई (3) लोग जागे (4) पक्षी चहके

(A) 2-1-3-4

(B) 1-2-3-4

(C) 2-3-1-4

(D) 3-2-1-4

**Q30.** उचित क्रम चुनें: (1) खेल जीता (2) अभ्यास किया (3) पुरस्कार मिला (4) प्रतियोगिता हुई

(A) 2-4-1-3

(B) 4-2-1-3

(C) 2-1-4-3

(D) 1–2–3–4

**Q31.** उचित क्रम चुनें: (1) यात्रा की (2) योजना बनाई (3) टिकट बुक किया (4) गंतव्य पहुँचा

(A) 2–3–1–4

(B) 3–2–1–4

(C) 2–1–3–4

(D) 1–2–3–4

**Q32.** उचित क्रम चुनें: (1) समस्या आई (2) समाधान खोजा (3) प्रयास किया (4) सफलता मिली

(A) 1–2–3–4

(B) 1–3–2–4

(C) 2–1–3–4

(D) 3–1–2–4

**Q33.** उचित क्रम चुनें: (1) परीक्षा दी (2) तैयारी की (3) परिणाम आया (4) सफलता मिली

(A) 2–1–3–4

(B) 1–2–3–4

(C) 2–3–1–4

(D) 3–2–1–4

**Q34.** उचित क्रम चुनें: (1) भोजन किया (2) घर पहुँचा (3) काम समाप्त किया (4) विश्राम किया

(A) 3–2–1–4

(B) 2–3–1–4

(C) 3–1–2–4

(D) 2–1–3–4

**Q35.** उचित क्रम चुनें: (1) पुस्तक खरीदी (2) दुकान गया (3) पढ़ना शुरू किया (4) पैसे दिए

(A) 2–1–4–3

(B) 1-2-4-3

(C) 2-4-1-3

(D) 2-1-3-4

## शब्द प्रयोग (Choosing the Correct Word)

**Q36.** "वह _____ बोलता है।"

(A) मीठा

(B) मीठी

(C) मीठे

(D) मिठास

**Q37.** "वह बहुत _____ व्यक्ति है।"

(A) ईमानदार

(B) ईमानदारी

(C) ईमानदारी से

(D) ईमान

**Q38.** "उसने मुझे _____ दिया।"

(A) सलाह

(B) सलाहें

(C) सलाहों

(D) सलाह का

**Q39.** "वह _____ से पढ़ाई करता है।"

(A) मन

(B) मन से

(C) मनों

(D) मन का

**Q40.** "यह काम _____ करना चाहिए।"

(A) ध्यान

(B) ध्यान से

(C) ध्यान का

(D) ध्यानों

**Q41.** "उसने काम _____ पूरा किया।"

(A) जल्दी

(B) जल्दी से

(C) जल्द

(D) जल्दों

## व्याकरणिक मिलान (Match the Following)

**Q42.** निम्नलिखित स्तंभों का सही मिलान कीजिए:

| | |
|---|---|
| (1) संज्ञा | (i) वह |
| (2) सर्वनाम | (ii) सुंदर |
| (3) विशेषण | (iii) पुस्तक |
| (4) क्रिया | (iv) दौड़ना |

(A) 1–iii, 2–i, 3–ii, 4–iv

(B) 1–i, 2–iii, 3–ii, 4–iv

(C) 1–iii, 2–ii, 3–i, 4–iv

(D) 1–ii, 2–i, 3–iii, 4–iv

**Q43.** निम्नलिखित स्तंभों का सही मिलान कीजिए:

| | |
|---|---|
| (1) कर्ता | (i) से |
| (2) कर्म | (ii) ने |
| (3) करण | (iii) को |
| (4) अधिकरण | (iv) में |

(A) 1–ii, 2–iii, 3–i, 4–iv

(B) 1–iii, 2–ii, 3–i, 4–iv

(C) 1–ii, 2–i, 3–iii, 4–iv

(D) 1–i, 2–ii, 3–iii, 4–iv

**Q44.** निम्नलिखित स्तंभों का सही मिलान कीजिए:

| | |
|---|---|
| (1) पुल्लिंगा | (i) बच्चे |
| (2) स्त्रीलिंग | (ii) लड़की |
| (3) नपुंसकलिंग | (iii) पुस्तक |
| (4) बहुवचन | (iv) लड़का |

(A) 1–iv, 2–ii, 3–iii, 4–i

(B) 1–ii, 2–iv, 3–iii, 4–i

(C) 1–iv, 2–iii, 3–ii, 4–i

(D) 1–iii, 2–ii, 3–iv, 4–i

**Q45.** निम्नलिखित स्तंभों का सही मिलान कीजिए:

| | |
|---|---|
| (1) वर्तमान काल | (i) जाओ |
| (2) भूतकाल | (ii) जाएगा |
| (3) भविष्यत काल | (iii) जाता है |
| (4) आज्ञार्थक वाक्य | (iv) गया |

(A) 1–iii, 2–iv, 3–ii, 4–i

(B) 1–iv, 2–iii, 3–ii, 4–i

(C) 1–iii, 2–ii, 3–iv, 4–i

(D) 1–ii, 2–iv, 3–iii, 4–i

## विविध (Idioms & Phrases)

**Q46.** 'नाक में दम करना' का अर्थ क्या है?

(A) तंग करना

(B) खुश करना

(C) डराना

(D) मदद करना

**Q47.** 'आँखों का तारा' का अर्थ क्या है?

(A) प्रिय व्यक्ति

(B) दुश्मन

(C) अजनबी

(D) कमजोर

**Q48.** 'दूध का जला छाछ भी फूँक–फूँक कर पीता है' का अर्थ क्या है?

(A) सावधानी बरतना

(B) डर जाना

(C) जल्दी करना

(D) भूल जाना

**Q49.** 'हाथ मलना' का अर्थ क्या है?

(A) खुश होना

(B) पछताना

(C) काम करना

(D) डरना

**Q50.** 'आसमान सिर पर उठाना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

(A) बहुत शोर–शराबा करना

(B) बहुत मेहनत करना

(C) आसमान को देखना

(D) घबराना

## Detailed Solutions

**Q1.**

### Solution

**संकल्पना:** इस प्रश्न को हल करने के लिए गद्यांश के मुख्य विचार को समझना आवश्यक है। गद्यांश का केंद्रीय भाव आधुनिक जीवन की उन समस्याओं पर प्रकाश डालना है जो तकनीकी प्रगति के कारण उत्पन्न हुई हैं।

**समाधान:** गद्यांश में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि आज का समाज तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहाँ तकनीकी उन्नति ने लोगों के बीच मानसिक और भावनात्मक दूरी बढ़ा दी है। लोग आभासी दुनिया में अधिक व्यस्त हो गए हैं, जिससे वास्तविक जीवन के रिश्तों में गहराई कम हो गई है। यह स्थिति जीवन में एक निरंतर हड़बड़ी ('भागदौड़') और मानसिक दबाव ('तनाव') पैदा करती है। गद्यांश में गरीबी, अज्ञान या अशिक्षा जैसी समस्याओं का उल्लेख नहीं किया गया है, बल्कि जीवनशैली से जुड़ी समस्या पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसलिए, 'तनाव और भागदौड़' आधुनिक जीवन की प्रमुख समस्या के रूप में प्रस्तुत की गई है।

**अंतिम उत्तर: तनाव और भागदौड़**

**Answer: (B)**

**Q2.**

### Solution

**संकल्पना:** 'भागदौड़ भरा जीवन' एक लाक्षणिक मुहावरा है। इसका अर्थ समझने के लिए हमें इसके शाब्दिक अर्थ से परे जाकर गद्यांश के संदर्भ में इसके भाव को समझना होगा।

**समाधान:** वाक्यांश 'भागदौड़ भरा जीवन' का अर्थ शारीरिक रूप से दौड़ने से नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी जीवनशैली को दर्शाता है जिसमें व्यक्ति के पास शांति, स्थिरता और अपने लिए समय का अभाव होता है। गद्यांश के अनुसार, व्यक्ति आभासी दुनिया में इतना व्यस्त हो गया है कि उसके पास वास्तविक सामाजिक संबंधों के लिए समय नहीं है। यह निरंतर व्यस्तता और मानसिक उलझन ही जीवन को 'व्यस्त और तनावपूर्ण' बनाती है। आरामदायक जीवन इसका विलोम है, और खेल-कूद या सामाजिक जीवन इसके केवल हिस्से हो सकते हैं, संपूर्ण परिभाषा नहीं। अतः, सबसे उपयुक्त आशय 'व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन' है।

**अंतिम उत्तर: व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन**

**Answer: (B)**

## Q3.

### Solution

**संकल्पना:** गद्यांश में तनाव के कारण को सीधे तौर पर नहीं बताया गया है, इसलिए हमें दिए गए वाक्यों का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालना होगा।

**समाधान:** गद्यांश में उल्लेख है कि तकनीकी प्रवृत्ति व्यक्ति को 'आत्मकेंद्रित व्यवहार की ओर ले जा रही है, जहाँ वह अपने व्यक्तिगत हितों और उपलब्धियों को सामाजिक संबंधों से अधिक महत्व देने लगता है।' व्यक्तिगत उपलब्धियों को अत्यधिक महत्व देना आधुनिक समाज की प्रतिस्पर्धी भावना का परिणाम है। हर कोई दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगा है, चाहे वह करियर हो या सोशल मीडिया पर अपनी छवि का प्रदर्शन। यही प्रतिस्पर्धी दबाव व्यक्ति में तनाव का मुख्य कारण बनता है। अन्य विकल्प जैसे शिक्षा, परिवार या मनोरंजन, गद्यांश के अनुसार तनाव के कारण नहीं हैं।

**अंतिम उत्तर: प्रतिस्पर्धा**

**Answer: (B)**

## Q4.

### Solution

**संकल्पना:** गद्यांश में वर्णित समस्या के समाधान को पहचानने के लिए हमें उसके अंतिम भाग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जहाँ लेखक अक्सर निष्कर्ष या सुझाव प्रस्तुत करता है।

**समाधान:** गद्यांश के अंतिम वाक्य में लेखक स्पष्ट रूप से समाधान प्रस्तुत करता है: "ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि व्यक्ति तकनीकी सुविधाओं का उपयोग करते हुए भी मानवीय मूल्यों, सहानुभूति और आपसी संवाद को बनाए रखने का प्रयास करे, ताकि जीवन में संतुलन और सामंजस्य बना रहे।" तकनीकी जीवन और मानवीय मूल्यों के बीच 'संतुलन और सामंजस्य' स्थापित करने का यह विचार ही 'संतुलित जीवन शैली' को अपनाना है। अधिक काम करना या प्रतिस्पर्धा बढ़ाना समस्या को और बढ़ाएगा, और अकेले रहना समाधान के विरुद्ध है।

**अंतिम उत्तर: संतुलित जीवन शैली अपनाना**

**Answer: (B)**

## Q5.

### Solution

**संकल्पना:** गद्यांश का 'स्वर' (Tone) लेखक के दृष्टिकोण, उसकी भावनाओं और लिखने के उद्देश्य को दर्शाता है। इसे समझने के लिए हमें लेखक द्वारा उपयोग किए गए शब्दों और वाक्यों के भाव का विश्लेषण करना होगा।

**समाधान:** लेखक आधुनिक जीवन की एक गंभीर समस्या (भावनात्मक दूरी का बढ़ना) को उजागर कर रहा है और उसके नकारात्मक प्रभावों का वर्णन कर रहा है। वह पाठकों को इस स्थिति के प्रति सचेत कर रहा है। अंत में, वह एक समाधान सुझाकर यह बताता है कि यदि इन बातों पर ध्यान नहीं दिया गया तो जीवन का सामंजस्य बिगड़ सकता है। यह शैली न तो हास्यपूर्ण है, न ही प्रशंसात्मक। यह निरपेक्ष भी नहीं है क्योंकि लेखक अपनी चिंता स्पष्ट रूप से व्यक्त कर रहा है। यह स्वर पाठकों को एक संभावित खतरे से आगाह करने वाला है, इसलिए यह 'चेतावनीपूर्ण' है।

**अंतिम उत्तर: चेतावनीपूर्ण**

**Answer: (B)**

## Q6.

### Solution

**संकल्पना:** 'संतुलित जीवन' एक व्यापक अवधारणा है, जिसका अर्थ जीवन के विभिन्न पहलुओं के बीच सामंजस्य और सही अनुपात स्थापित करना है।

**समाधान:** 'संतुलित जीवन' का अर्थ है कि जीवन में किसी भी एक चीज की अति न हो। इसमें पेशेवर जीवन (काम) और व्यक्तिगत जीवन (आराम, परिवार, स्वास्थ्य, मनोरंजन) के बीच एक स्वस्थ सामंजस्य होता है। यदि कोई व्यक्ति केवल काम करता है या केवल आराम करता है, तो उसका जीवन असंतुलित हो जाता है। दिए गए विकल्पों में, 'काम और आराम में संतुलन' इस अवधारणा को सबसे सटीक रूप से परिभाषित करता है, क्योंकि ये जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण और अक्सर परस्पर विरोधी पहलू हैं, जिनमें सामंजस्य स्थापित करना आवश्यक है।

**अंतिम उत्तर: काम और आराम में संतुलन**

**Answer: (B)**

## Q7.

### Solution

**संकल्पना:** गद्यांश का मुख्य विषय वह केंद्रीय विचार है जिसके चारों ओर संपूर्ण पाठ की रचना की गई है। इसे पहचानने के लिए यह समझना आवश्यक है कि लेखक किस मुद्दे पर सबसे अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है और अपने विचारों को किस आधार पर प्रस्तुत कर रहा है।

**समाधान:** प्रस्तुत गद्यांश का आरंभ 'शिक्षा' की परिभाषा और उसके महत्व से होता है। पहली पंक्ति में ही कहा गया है कि "शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के समग्र विकास का आधार भी है।" इसके बाद, पूरा गद्यांश शिक्षा के विभिन्न आयामों, जैसे– बौद्धिक विकास, नैतिक मूल्य, सामाजिक चेतना, और इसके वर्तमान व्यावसायिक स्वरूप की विवेचना करता है। गद्यांश का अंत भी शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल देकर होता है। अन्य विकल्प, जैसे पर्यावरण, तकनीक या स्वास्थ्य, का गद्यांश में कोई उल्लेख नहीं है। अतः, संपूर्ण पाठ 'शिक्षा' पर केंद्रित है।

**अंतिम उत्तर: शिक्षा**

**Answer: (A)**

## Q8.

### Solution

**संकल्पना:** पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ है – पर्यावरण के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में होने वाला ऐसा कोई भी अवांछनीय परिवर्तन, जिसका हानिकारक प्रभाव मानव जीवन, अन्य जीवों, और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ता है।

**समाधान:** यह प्रश्न दिए गए गद्यांश पर आधारित नहीं है, यह एक सामान्य ज्ञान का प्रश्न है। पर्यावरण प्रदूषण के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन उनमें सबसे प्रमुख और व्यापक कारण 'मानव गतिविधियाँ' हैं। औद्योगीकरण (कारखानों से निकलने वाला धुआँ और रसायन), शहरीकरण, वाहनों से निकलने वाला धुआँ, कृषि में कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग, वनों की कटाई और प्लास्टिक का उपयोग जैसी मानवीय क्रियाएँ प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़कर हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित करती हैं। प्राकृतिक परिवर्तन जैसे ज्वालामुखी विस्फोट भी प्रदूषण फैलाते हैं, परन्तु वर्तमान प्रदूषण संकट का मुख्य कारण मानव निर्मित है।

**अंतिम उत्तर: मानव गतिविधियाँ**

**Answer: (B)**

## Q9.

### Solution

**संकल्पना:** 'प्राकृतिक संतुलन' या पारिस्थितिक संतुलन का तात्पर्य एक पारिस्थितिकी तंत्र में जीवित जीवों (जैसे पौधे, जानवर) और उनके निर्जीव पर्यावरण (जैसे हवा, पानी, मिट्टी) के बीच एक स्थिर और सामंजस्यपूर्ण स्थिति से है।

**समाधान:** यह प्रश्न भी गद्यांश से संबंधित नहीं है। 'प्राकृतिक संतुलन' एक व्यापक अवधारणा है। इसका अर्थ केवल पेड़–पौधे, केवल जल या केवल वायु तक सीमित नहीं है। बल्कि, इसमें प्रकृति के सभी जैविक और अजैविक तत्व शामिल हैं। जब इन सभी तत्वों के बीच एक स्वस्थ अंतर्संबंध और निर्भरता बनी रहती है, जिससे जीवन चक्र सुचारू रूप से चलता है, तो उसे 'प्रकृति के तत्वों का संतुलन' कहा जाता है। किसी एक तत्व की कमी या अधिकता इस संतुलन को बिगाड़ सकती है।

**अंतिम उत्तर: प्रकृति के तत्वों का संतुलन**

**Answer: (B)**

## Q10.

### Solution

**संकल्पना:** इस प्रकार के प्रश्न यह जांचने के लिए होते हैं कि पाठक गद्यांश के मूल संदेश को समझकर उससे क्या सीख लेता है और उसे अपने आचरण में कैसे उतार सकता है।

**समाधान:** इस प्रश्न में एक विरोधाभास है। प्रश्न "गद्यांश के अनुसार" पूछा गया है, जबकि दिए गए विकल्प पर्यावरण से संबंधित हैं और गद्यांश शिक्षा पर आधारित है। यदि हम गद्यांश के अनुसार उत्तर दें, तो हमें शिक्षा में नैतिक मूल्यों को शामिल करना चाहिए, जो विकल्पों में नहीं है। अतः, यह मानते हुए कि यह प्रश्न किसी पर्यावरण–संबंधी पाठ पर आधारित होना चाहिए था, हम विकल्पों का विश्लेषण करेंगे। 'प्रदूषण बढ़ाना', 'पेड़ काटना', और 'जल बर्बाद करना' सभी नकारात्मक और विनाशकारी कार्य हैं। एकमात्र सकारात्मक और नैतिक रूप से सही कार्य 'प्रकृति का संरक्षण करना' है। अतः यही सही उत्तर होगा।

**अंतिम उत्तर: प्रकृति का संरक्षण करना**

**Answer: (B)**

## Q11.

### Solution

**संकल्पना:** गद्यांश का 'स्वर' (Tone) लेखक के दृष्टिकोण, भावना और लेखन के उद्देश्य को दर्शाता है। यह पाठक पर पड़ने वाले प्रभाव से पहचाना जा सकता है, जैसे कि क्या पाठ हंसाने वाला, आलोचना करने वाला, या प्रेरित करने वाला है।

**समाधान:** गद्यांश में लेखक शिक्षा के सच्चे अर्थ और उद्देश्य पर प्रकाश डालता है। वह वर्तमान शिक्षा प्रणाली की कमियों (व्यावसायिक होना) को उजागर करता है और फिर एक बेहतर दिशा सुझाता है, जिसमें व्यक्ति कुशल पेशेवर के साथ–साथ संवेदनशील और जागरूक नागरिक भी बने। यह लेखन शैली पाठकों को शिक्षा के महत्व को गहराई से समझने और एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए सोचने हेतु प्रेरित करती है। इसमें हास्य या व्यंग्य नहीं है, और यह नकारात्मक भी नहीं है क्योंकि यह एक समाधान प्रस्तुत करता है। इसलिए, इसका स्वर 'प्रेरणात्मक' है।

**अंतिम उत्तर: प्रेरणात्मक**

**Answer: (A)**

## Q12.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक शब्दावली आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का सही अर्थ या पर्यायवाची शब्द पहचानना होता है।

**समाधान:** 'संरक्षण' शब्द का मूल अर्थ किसी वस्तु, विचार, या संसाधन को नष्ट होने या खराब होने से बचाना और उसकी रक्षा करना है। यह शब्द अक्सर पर्यावरण, विरासत, और वन्यजीवों के संदर्भ में उपयोग होता है।
दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:
(A) नाश करना: यह 'संरक्षण' का विलोम है।
(B) सुरक्षा करना: यह 'संरक्षण' का सबसे निकटतम और सटीक अर्थ है। संरक्षण में सुरक्षा का भाव निहित होता है।
(C) उपयोग करना: उपयोग करने का अर्थ हमेशा संरक्षण नहीं होता; दुरुपयोग भी हो सकता है।
(D) बदलना: यह अर्थ से संबंधित नहीं है।
अतः, 'संरक्षण' का सही अर्थ 'सुरक्षा करना' है।

**अंतिम उत्तर: सुरक्षा करना**

**Answer: (B)**

## Q13.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न गद्यांश के केंद्रीय भाव या मुख्य संदेश को समझने की क्षमता का मूल्यांकन करता है। इसमें पाठक को पूरे गद्यांश का सार निकालकर उसके मूल उद्देश्य को पहचानना होता है।

**समाधान:** इस गद्यांश में प्रकृति के विभिन्न तत्वों जैसे वृक्ष, नदी, सूर्य, चंद्रमा और पवन का उदाहरण दिया गया है। इन सभी उदाहरणों में एक सामान्य बात यह है कि वे सभी दूसरों के लिए कार्य करते हैं, स्वयं के लिए नहीं। वृक्ष दूसरों को फल देते हैं, नदियाँ सभी जीवों को जल देती हैं, और सूर्य सभी को प्रकाश देता है। गद्यांश का समापन इस पंक्ति से होता है, "परोपकार और निस्वार्थता ही जीवन के उच्चतम मूल्य हैं।" यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि लेखक का मुख्य उद्देश्य प्रकृति के माध्यम से निस्वार्थ सेवा और परोपकार के महत्व को समझाना है।

अब विकल्पों का विश्लेषण करें:
(A) प्रकृति का सौंदर्य: गद्यांश में प्रकृति का वर्णन है, लेकिन उसका सौंदर्य मुख्य विषय नहीं है, बल्कि उसके निस्वार्थ स्वभाव को दर्शाने का एक माध्यम है।
(B) निस्वार्थ सेवा और परोपकार: यह गद्यांश के प्रत्येक उदाहरण और अंतिम निष्कर्ष से सीधे मेल खाता है। यही मुख्य संदेश है।
(C) जल संरक्षण: यह एक बहुत ही संकीर्ण विषय है। नदी का उदाहरण केवल एक अंश है, पूरे गद्यांश का संदेश नहीं।
(D) वायु का महत्व: जल संरक्षण की तरह, यह भी केवल एक उदाहरण है, मुख्य संदेश नहीं।

अतः, गद्यांश का सर्वप्रमुख संदेश 'निस्वार्थ सेवा और परोपकार' है।

**अंतिम उत्तर: निस्वार्थ सेवा और परोपकार**

**Answer: (B)**

## Q14.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न गद्यांश में प्रस्तुत विशिष्ट उदाहरणों के पीछे लेखक के उद्देश्य को पहचानने की योग्यता का आकलन करता है।

**समाधान:** गद्यांश में स्पष्ट रूप से लिखा है, "वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते, बल्कि दूसरों के हित के लिए उन्हें प्रदान करते हैं। इसी प्रकार नदियाँ अपने जल को संचित नहीं करतीं, बल्कि निरंतर बहाकर समस्त जीवों के जीवन को बनाए रखती हैं।" इन वाक्यों में जोर इस बात पर नहीं है कि फल और जल उपयोगी हैं, बल्कि इस बात पर है कि वे 'स्वयं' के लिए नहीं, 'दूसरों के हित' के लिए हैं। यह क्रिया 'निस्वार्थ भाव' का सबसे बड़ा प्र–माण है। लेखक इन उदाहरणों का प्रयोग अपनी मुख्य बात, यानी निस्वार्थ सेवा, को सिद्ध करने के लिए कर रहा है।

विकल्पों का विश्लेषण:
(A) उनकी उपयोगिता बताने के लिए: यद्यपि यह सत्य है कि वे उपयोगी हैं, लेकिन यह लेखक का मुख्य उद्देश्य नहीं है। मुख्य उद्देश्य यह बताना है कि वे किस 'भाव' से उपयोगी हैं।
(B) उनकी सुंदरता दिखाने के लिए: इन वाक्यों में सुंदरता का कोई वर्णन नहीं है।
(C) निस्वार्थ सेवा का भाव समझाने के लिए: यह विकल्प सीधे तौर पर लेखक के उद्देश्य को व्यक्त करता है। वृक्षों और नदियों का आचरण निस्वार्थता का आदर्श उदाहरण है।
(D) प्राकृतिक संसाधनों की कमी बताने के लिए: गद्यांश में संसाधनों की कमी का कोई संकेत नहीं है।

इसलिए, इन उदाहरणों का सही उद्देश्य निस्वार्थ सेवा के भाव को समझाना है।

**अंतिम उत्तर: निस्वार्थ सेवा का भाव समझाने के लिए**

**Answer: (C)**

## Q15.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक शब्दावली–आधारित प्रश्न है, जिसमें गद्यांश के संदर्भ में किसी शब्द का सटीक अर्थ पूछा गया है।

**समाधान:** 'निस्वार्थ' शब्द का संधि–विच्छेद 'निः + स्वार्थ' होता है, जिसका अर्थ है 'बिना स्वार्थ के'। स्वार्थ का मतलब होता है अपना हित या अपना लाभ। अतः, निस्वार्थ का अर्थ हुआ बिना अपने हित या लाभ की चिंता किए कोई कार्य करना। गद्यांश में प्रकृति के सभी तत्व – वृक्ष, नदी, सूर्य – "बिना किसी अपेक्षा के" दूसरों की सेवा करते हैं, जो 'निस्वार्थ' शब्द के अर्थ को पूरी तरह से स्पष्ट करता है।

विकल्पों का विश्लेषण:
(A) स्वयं के लाभ के लिए कार्य करना: यह 'स्वार्थ' का अर्थ है, जो 'निस्वार्थ' का विलोम है।
(B) बिना किसी अपेक्षा के कार्य करना: यह 'निस्वार्थ' का सबसे सटीक और सही अर्थ है। (C) धन कमाने के लिए कार्य करना: यह एक प्रकार का स्वार्थपूर्ण कार्य है।
(D) प्रसिद्धि पाने के लिए कार्य करना: यह भी एक स्वार्थपूर्ण उद्देश्य है।

अतः, 'निस्वार्थ' का सही अर्थ है बिना किसी अपेक्षा या व्यक्तिगत लाभ के कार्य करना।
**अंतिम उत्तर: बिना किसी अपेक्षा के कार्य करना**

**Answer: (B)**

## Q16.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न गद्यांश में दिए गए उदाहरणों की श्रृंखला की निरंतरता और उनके साझा उद्देश्य को समझने की क्षमता का परीक्षण करता है।

**समाधान:** गद्यांश में लेखक एक ही विचार को पुष्ट करने के लिए कई उदाहरण देता है। वृक्ष और नदियों के बाद, वह सूर्य और चंद्रमा का उल्लेख करता है: "सूर्य बिना किसी अपेक्षा के प्रकाश देता है और चंद्रमा शीतलता प्रदान करता है।" यहाँ 'बिना किसी अपेक्षा के' वाक्यांश स्पष्ट रूप से उनके कार्य के पीछे की निस्वार्थ भावना को उजागर करता है। जैसे वृक्ष और नदी निस्वार्थ सेवा करते हैं, वैसे ही सूर्य और चंद्रमा भी करते हैं। उनका उल्लेख उनकी शक्ति, गति या दूरी बताने के लिए नहीं, बल्कि उनके निस्वार्थ चरित्र को दर्शाने के लिए किया गया है ताकि परोपकार का संदेश और भी सुदृढ़ हो सके।

विकल्पों का विश्लेषण:
(A) उनकी शक्ति बताने के लिए: गद्यांश का विषय शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि सेवा भाव है।
(B) उनकी गति बताने के लिए: उनकी गति का कोई उल्लेख या प्रासंगिकता नहीं है।
(C) उनकी निस्वार्थता दिखाने के लिए: यह विकल्प गद्यांश के मूल भाव और "बिना किसी अपेक्षा के" वाक्यांश से सीधे मेल खाता है।
(D) उनकी दूरी बताने के लिए: दूरी का विषय अप्रासंगिक है।

इसलिए, सूर्य और चंद्रमा का उल्लेख उनकी निस्वार्थता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया गया है।

**अंतिम उत्तर: उनकी निस्वार्थता दिखाने के लिए**

**Answer: (C)**

## Q17.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक तथ्यात्मक बोध का प्रश्न है, जिसका उत्तर गद्यांश में सीधे तौर पर दी गई जानकारी से प्राप्त होता है।

**समाधान:** इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए हमें गद्यांश की उस पंक्ति को देखना होगा जहाँ 'महान' शब्द का प्रयोग हुआ है। गद्यांश के दूसरे अनुच्छेद में स्पष्ट रूप से लिखा है: "यह हमें सिखाता है कि सच्चा महान वही है, जो बिना किसी अपेक्षा के दूसरों के हित में कार्य करता है।" यह वाक्य सीधे–सीधे महानता की परिभाषा देता है। इस परिभाषा के अनुसार, महानता का संबंध धन, शक्ति या प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि परोपकार की भावना से है।

विकल्पों का विश्लेषण:
(A) जो धनी हो: गद्यांश में धन का कोई उल्लेख नहीं है।
(B) जो शक्तिशाली हो: शक्ति को महानता का मापदंड नहीं बताया गया है।
(C) जो दूसरों के हित में कार्य करे: यह गद्यांश में दी गई परिभाषा से अक्षरशः मेल खाता है।
(D) जो प्रसिद्ध हो: प्रसिद्धि का भी कोई जिक्र नहीं है।

अतः, गद्यांश के अनुसार, सच्चा महान व्यक्ति वही है जो दूसरों के हित में निस्वार्थ भाव से कार्य करता है।

**अंतिम उत्तर: जो दूसरों के हित में कार्य करे**

**Answer: (C)**

## Q18.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न गद्यांश के समग्र स्वर (Tone) या लेखक के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता का मूल्यांकन करता है।

**समाधान:** गद्यांश का स्वर या टोन यह बताता है कि लेखक किस भाव से अपनी बात कह रहा है। इस गद्यांश को पढ़ने पर यह स्पष्ट होता है कि लेखक प्रकृति के उदाहरणों का उपयोग करके पाठकों को एक नैतिक शिक्षा या सीख दे रहा है। वह हमें परोपकार और निस्वार्थता जैसे मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। जब किसी लेख का उद्देश्य कोई शिक्षा, सीख या उपदेश देना होता है, तो उसके स्वर को 'उपदेशात्मक' कहा जाता है। पूरा गद्यांश एक गंभीर और शिक्षाप्रद भाव से लिखा गया है।

विकल्पों का विश्लेषण:
(A) हास्यपूर्ण: गद्यांश में हँसी या मज़ाक का कोई तत्व नहीं है।
(B) उपदेशात्मक: गद्यांश एक नैतिक उपदेश दे रहा है, इसलिए यह स्वर सबसे उपयुक्त है।
(C) व्यंग्यात्मक: लेखक ने किसी पर ताना या व्यंग्य नहीं किया है; उसकी बात सीधी और सच्ची है।
(D) निराशाजनक: गद्यांश निराशा नहीं, बल्कि परोपकार के माध्यम से सम्मान पाने की एक आशावादी राह दिखाता है।

अतः, गद्यांश का स्वर उपदेशात्मक है।

**अंतिम उत्तर: उपदेशात्मक**

**Answer: (B)**

## Q19.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक शब्दावली आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का सही विलोम (विपरीतार्थक) शब्द पहचानना है।

**समाधान:** 'अभिमान' शब्द का अर्थ है स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझने का भाव या घमंड। हमें इसका विपरीत अर्थ वाला शब्द खोजना है।
(A) गर्व: गर्व और अभिमान में सूक्ष्म अंतर है, पर यह अभिमान का पर्यायवाची हो सकता है, विलोम नहीं।
(B) विनम्रता: इसका अर्थ है विनीत होने का भाव, घमंड न करना। यह 'अभिमान' का सटीक विलोम है।
(C) क्रोध: यह एक भावना है, जिसका अर्थ गुस्सा है। यह अभिमान का विलोम नहीं है।
(D) घृणा: इसका अर्थ नफ़रत है, जो अभिमान का विपरीतार्थक नहीं है।
अतः, अभिमान का सही विलोम 'विनम्रता' है।

**अंतिम उत्तर: विनम्रता**

**Answer: (B)**

## Q20.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक शब्दावली आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का सही पर्यायवाची (समानार्थक) शब्द पहचानना है।

**समाधान:** 'उत्साह' शब्द का अर्थ है किसी काम को करने की तीव्र इच्छा, उमंग या प्रेरणा। हमें इसका समान अर्थ वाला शब्द खोजना है।
(A) निराशा: यह 'उत्साह' का विलोम है।
(B) जोश: इसका अर्थ भी उमंग, आवेश या तीव्र प्रेरणा है। यह 'उत्साह' का सबसे सटीक पर्यायवाची है।
(C) शोक: इसका अर्थ दुःख या गम है, जो उत्साह का विपरीत भाव है।
(D) डर: यह भय का भाव है और उत्साह से संबंधित नहीं है।
अतः, 'उत्साह' का सही पर्यायवाची 'जोश' है।

**अंतिम उत्तर: जोश**

**Answer: (B)**

## Q21.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक विलोम शब्द पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का विपरीत अर्थ वाला शब्द चुनना है।

**समाधान:** 'कठिन' का अर्थ है जो करने में मुश्किल हो। हमें इसका विलोम शब्द ज्ञात करना है।
(A) सरल: इसका अर्थ है जो करने में आसान हो। यह 'कठिन' का सीधा और सटीक विलोम है।
(B) जटिल: इसका अर्थ भी पेचीदा या मुश्किल होता है, यह 'कठिन' का पर्यायवाची है।
(C) भारी: इसका संबंध वज़न से है, कठिनाई से नहीं।
(D) गंभीर: इसका अर्थ गहरा या चिंताजनक होता है।
अतः, 'कठिन' का सही विलोम 'सरल' है।

**अंतिम उत्तर: सरल**

**Answer: (A)**

## Q22.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक शब्दार्थ पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का सही अर्थ पहचानना है।

**समाधान:** 'धैर्य' का अर्थ है कठिन परिस्थितियों में शांत और स्थिर रहने की क्षमता, बिना क्रोध या चिंता के प्रतीक्षा करने का गुण।
(A) जल्दबाजी: यह 'धैर्य' का विलोम है।
(B) सहनशीलता: इसका अर्थ है कष्ट या दुःख सहने की शक्ति। धैर्य रखने के लिए सहनशीलता आवश्यक है, इसलिए यह सबसे निकटतम अर्थ है।
(C) क्रोध: यह धैर्य के विपरीत एक भावना है।
(D) घबराहट: यह भी धैर्य के विपरीत एक स्थिति है।
अतः, 'धैर्य' का सबसे उपयुक्त अर्थ 'सहनशीलता' है।

**अंतिम उत्तर: सहनशीलता**

**Answer: (B)**

## Q23.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक विलोम शब्द पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का विपरीत अर्थ वाला शब्द चुनना है।

**समाधान:** 'लाभ' का अर्थ है फायदा, मुनाफा या किसी चीज़ से मिलने वाला अच्छा परिणाम। हमें इसका विलोम शब्द खोजना है।
(A) हानि: इसका अर्थ है नुकसान या घाटा। यह 'लाभ' का सटीक विलोम है।
(B) फायदा: यह 'लाभ' का पर्यायवाची है।
(C) कमाई: इसका अर्थ अर्जन करना है, जो लाभ से संबंधित है, पर उसका विलोम नहीं है।
(D) वृद्धि: इसका अर्थ बढ़ना है।
अतः, 'लाभ' का सही विलोम 'हानि' है।

**अंतिम उत्तर: हानि**

**Answer: (A)**

## Q24.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक शब्दार्थ पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का सही अर्थ पहचानना है।

**समाधान:** 'विवश' का अर्थ होता है किसी परिस्थिति या दबाव के कारण कुछ करने के लिए बाध्य होना, लाचार या असहाय होना।
(A) स्वतंत्र: यह 'विवश' का विलोम है।
(B) मजबूर: इसका अर्थ भी किसी कार्य को करने के लिए बाध्य होना है। यह 'विवश' का सटीक पर्यायवाची या अर्थ है।
(C) सक्षम: इसका अर्थ है कुछ करने की क्षमता रखना, यह विवश का विपरीत भाव है।
(D) संतुष्ट: इसका अर्थ है तृप्त होना।
अतः, 'विवश' का सही अर्थ 'मजबूर' है।

**अंतिम उत्तर: मजबूर**

**Answer: (B)**

## Q25.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक विलोम शब्द पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का विपरीत अर्थ वाला शब्द चुनना है।

**समाधान:** 'अवमानना' का अर्थ है किसी का आदर न करना, अपमान करना या तिरस्कार करना। हमें इसका विपरीत अर्थ वाला शब्द खोजना है।
(A) सम्मान: इसका अर्थ है आदर या इज़्ज़त देना। यह 'अवमानना' का सीधा और सटीक विलोम है।
(B) अपमान: यह 'अवमानना' का पर्यायवाची या समानार्थक शब्द है।
(C) तिरस्कार: यह भी 'अवमानना' का एक पर्यायवाची शब्द है।
(D) घृणा: इसका अर्थ नफ़रत है, जो एक भावना है, लेकिन यह 'अवमानना' का सटीक विलोम नहीं है।
अतः, 'अवमानना' का सही विलोम 'सम्मान' है।

**अंतिम उत्तर: सम्मान**

**Answer: (A)**

## Q26.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक शब्दार्थ पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का सही अर्थ पहचानना है।

**समाधान:** 'विवेक' का अर्थ है सही और गलत की पहचान करने की क्षमता, बुद्धि या समझ–बूझ। यह अच्छे–बुरे का निर्णय करने वाली मानसिक शक्ति है।
(A) मूर्खता: यह 'विवेक' का विलोम है।
(B) समझ–बूझ: यह 'विवेक' का सबसे सटीक और निकटतम अर्थ है, क्योंकि विवेक का आधार ही समझ–बूझ है।
(C) अज्ञान: यह ज्ञान की कमी को दर्शाता है और विवेक के विपरीत है।
(D) आलस्य: इसका अर्थ सुस्ती है, जिसका विवेक से कोई सीधा संबंध नहीं है।
अतः, 'विवेक' का सही अर्थ 'समझ–बूझ' है।

**अंतिम उत्तर: समझ–बूझ**

**Answer: (B)**

## Q27.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक विलोम शब्द पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का विपरीत अर्थ वाला शब्द चुनना है।

**समाधान:** 'संकुचित' का अर्थ है सिकुड़ा हुआ, तंग या सीमित। यह संकीर्णता का भाव दर्शाता है। हमें इसका विपरीत शब्द खोजना है।
(A) विस्तृत: इसका अर्थ है फैला हुआ, व्यापक या चौड़ा। यह 'संकुचित' का सटीक विलोम है।
(B) सीमित: यह 'संकुचित' का ही एक समानार्थक शब्द है।
(C) छोटा: यह आकार को दर्शाता है और संकुचित का पर्यायवाची हो सकता है, लेकिन 'विस्तृत' अधिक सटीक विलोम है।
(D) न्यून: इसका अर्थ 'कम' होता है।
अतः, 'संकुचित' का सही विलोम 'विस्तृत' है।

**अंतिम उत्तर: विस्तृत**

**Answer: (A)**

## Q28.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक पर्यायवाची शब्द पर आधारित प्रश्न है, जिसमें दिए गए शब्द का समानार्थक शब्द चुनना है।

**समाधान:** 'अनुशासन' का अर्थ है नियमों का पालन करना, व्यवस्था बनाए रखना और आत्म-नियंत्रण। यह एक व्यवस्थित आचरण को दर्शाता है।
(A) अव्यवस्था: यह 'अनुशासन' का विलोम है, जिसका अर्थ है व्यवस्था की कमी।
(B) नियम: अनुशासन का आधार ही 'नियम' होते हैं। नियमों का पालन करना ही अनुशासन कहलाता है। इसलिए यह सबसे निकटतम पर्यायवाची है।
(C) अराजकता: यह भी अनुशासन का विलोम है, जिसका अर्थ है शासन या व्यवस्था का अभाव।
(D) स्वतंत्रता: अक्सर इसे अनुशासन के विपरीत माना जाता है, जहाँ कोई बंधन न हो।
अतः, 'अनुशासन' का सही पर्यायवाची 'नियम' है।

**अंतिम उत्तर: नियम**

**Answer: (B)**

## Q29.

### Solution

**संकल्पना:** यह वाक्य-क्रम व्यवस्था का प्रश्न है, जिसमें घटनाओं को उनके तार्किक और कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करना होता है।

**समाधान:** दिए गए वाक्यों को एक प्राकृतिक सुबह के घटनाक्रम के अनुसार लगाना है।
सबसे पहली घटना दिन की शुरुआत है, यानी (2) सुबह हुई।
सुबह होने के बाद (1) सूरज निकलता है।
सूरज निकलने और सुबह होने पर प्रकृति और जीव-जंतु जागते हैं। आमतौर पर (4) पक्षी चहकने लगते हैं और फिर (3) लोग जागते हैं।
इस क्रम के अनुसार, सही व्यवस्था होगी: 2-1-4-3।
चूंकि यह विकल्प में नहीं है, हमें दिए गए विकल्पों में से सबसे तार्किक क्रम को चुनना होगा।
(A) 2-1-3-4: (2) सुबह हुई -> (1) सूरज निकला -> (3) लोग जागे -> (4) पक्षी चहके। यह एक स्वीकार्य और तार्किक क्रम है, जिसमें सुबह होने और सूरज निकलने के बाद लोग और पक्षी अपनी दिनचर्या शुरू करते हैं।
अन्य विकल्प अतार्किक हैं क्योंकि वे घटनाओं के प्राकृतिक क्रम का पालन नहीं करते।
अतः, दिए गए विकल्पों में सबसे उचित क्रम 2-1-3-4 है।

**अंतिम उत्तर: 2-1-3-4**

**Answer: (A)**

## Q30.

### Solution

**संकल्पना:** यह वाक्य–क्रम व्यवस्था का प्रश्न है, जिसमें किसी कार्य–प्रक्रिया के चरणों को सही तार्किक क्रम में लगाना है।

**समाधान:** यह प्रश्न किसी प्रतियोगिता में सफलता पाने की प्रक्रिया से संबंधित है। इसका तार्किक क्रम इस प्रकार होगा:
सबसे पहले सफलता के लिए तैयारी या (2) अभ्यास किया जाता है।
अभ्यास के बाद व्यक्ति (4) प्रतियोगिता में भाग लेता है।
प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने पर वह (1) खेल जीतता है।
और अंत में, जीतने के पुरस्कार स्वरूप उसे (3) पुरस्कार मिलता है।
अतः, सही क्रम है: 2–4–1–3। यह विकल्प (A) में दिया गया है।

**अंतिम उत्तर:** 2–4–1–3

**Answer: (A)**

## Q31.

### Solution

**संकल्पना:** यह वाक्य–क्रम व्यवस्था का प्रश्न है, जिसमें यात्रा करने की प्रक्रिया के चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित करना है।

**समाधान:** किसी भी यात्रा को करने का एक तार्किक क्रम होता है।
सबसे पहले यात्रा के बारे में (2) योजना बनाई जाती है।
योजना के अनुसार, परिवहन के लिए (3) टिकट बुक किया जाता है।
टिकट बुक करने के बाद निश्चित दिन पर (1) यात्रा की जाती है।
यात्रा के अंत में व्यक्ति अपने (4) गंतव्य पर पहुँचता है।
अतः, सही क्रम है: 2–3–1–4। यह विकल्प (A) से मेल खाता है।

**अंतिम उत्तर:** 2–3–1–4

**Answer: (A)**

## Q32.

### Solution

**संकल्पना:** यह वाक्य–क्रम व्यवस्था का प्रश्न है, जिसमें समस्या–समाधान की प्रक्रिया को तार्किक क्रम में लगाना है।

**समाधान:** समस्या समाधान की प्रक्रिया के चरण इस प्रकार हैं:
सबसे पहले किसी (1) समस्या का आना या उत्पन्न होना।
समस्या आने पर उसके (2) समाधान को खोजना।
समाधान मिल जाने पर उसे लागू करने के लिए (3) प्रयास करना।
सफल प्रयास के बाद अंत में (4) सफलता मिलना।
इस प्रकार, सही और तार्किक क्रम है: 1–2–3–4। यह विकल्प (A) में दिया गया है।

**अंतिम उत्तर:** 1–2–3–4

**Answer: (A)**

## Q33.

### Solution

**संकल्पना:** यह वाक्य–क्रम व्यवस्था का प्रश्न है, जिसमें परीक्षा से संबंधित घटनाओं को उनके सही कालानुक्रमिक क्रम में लगाना है।

**समाधान:** परीक्षा और उसके परिणाम की प्रक्रिया एक निश्चित क्रम में होती है।
सबसे पहले छात्र परीक्षा के लिए (2) तैयारी करते हैं।
तैयारी पूरी होने पर वे (1) परीक्षा देते हैं।
परीक्षा होने के कुछ समय बाद उसका (3) परिणाम आता है।
यदि परिणाम अच्छा हो, तो (4) सफलता मिलती है।
अतः, घटनाओं का सही क्रम है: 2–1–3–4। यह विकल्प (A) से मेल खाता है।

**अंतिम उत्तर:** 2–1–3–4

**Answer: (A)**

## Q34.

### Solution

**संकल्पना:** यह वाक्य–क्रम व्यवस्था का प्रश्न है, जिसमें दिनचर्या की घटनाओं को उनके तार्किक और स्वाभाविक क्रम में व्यवस्थित करना होता है।

**समाधान:** दिए गए वाक्यों में एक व्यक्ति की दिनचर्या के हिस्से का वर्णन है। इसका तार्किक क्रम इस प्रकार होगा:

सबसे पहले व्यक्ति अपना (3) काम समाप्त करता है।

काम समाप्त करने के बाद वह (2) घर पहुँचता है।

घर पहुँचकर वह (1) भोजन करता है।

और अंत में, भोजन करने के बाद वह (4) विश्राम करता है।
इस प्रकार, घटनाओं का सही और तार्किक क्रम 3–2–1–4 है। यह विकल्प (A) में दिया गया है।

**अंतिम उत्तर:** 3–2–1–4

**Answer: (A)**

## Q35.

### Solution

**संकल्पना:** यह वाक्य–क्रम व्यवस्था का प्रश्न है, जिसमें किसी वस्तु को खरीदने की प्रक्रिया को सही क्रम में लगाना है।

**समाधान:** यह प्रश्न पुस्तक खरीदने की प्रक्रिया से संबंधित है। इसके चरणों का सही क्रम इस प्रकार होगा:

पुस्तक खरीदने के लिए सबसे पहले व्यक्ति (2) दुकान गया।

दुकान पर उसने (1) पुस्तक खरीदी (अर्थात् पुस्तक का चयन किया)।

पुस्तक खरीदने के लिए उसने (4) पैसे दिए।

पुस्तक अपनी हो जाने के बाद उसने (3) पढ़ना शुरू किया।
अतः, सही क्रम है: 2–1–4–3। यह विकल्प (A) से मेल खाता है।

**अंतिम उत्तर:** 2–1–4–3

**Answer: (A)**

## Q36.

### Solution

**संकल्पना:** यह व्याकरण पर आधारित प्रश्न है, जिसमें क्रिया की विशेषता बताने वाले सही विशेषण या क्रियाविशेषण शब्द का चयन करना है।

**समाधान:** वाक्य है: "वह

**अंतिम उत्तर: मीठा**

**Answer: (A)**

## Q37.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न संज्ञा के लिए सही विशेषण शब्द के चयन पर आधारित है।

**समाधान:** वाक्य है: "वह बहुत

**अंतिम उत्तर: ईमानदार**

**Answer: (A)**

## Q38.

### Solution

**संकल्पना:** यह सही संज्ञा शब्द के प्रयोग पर आधारित प्रश्न है, जिसमें वचन का ध्यान रखना होता है।

**समाधान:** वाक्य है: "उसने मुझे _____ दिया।" यहाँ क्रिया 'दिया' का कर्म (object) भरना है। 'सलाह' एक भाववाचक और गणनीय संज्ञा नहीं है, इसलिए इसका प्रयोग सामान्यतः एकवचन में ही होता है।
(A) सलाह: यह सबसे उपयुक्त शब्द है। "उसने मुझे सलाह दी।" (नोट: 'सलाह' स्त्रीलिंग शब्द है, इसलिए सही क्रिया 'दी' होनी चाहिए, लेकिन दिए गए विकल्पों में 'सलाह' ही सबसे उपयुक्त शब्द है)।
(B) सलाहें: इस बहुवचन रूप का प्रयोग तब होता है जब कई विशिष्ट सलाहों की बात हो, जैसे "उसने मुझे कई अच्छी सलाहें दीं।" सामान्य अर्थ में एकवचन ही प्रयुक्त होता है।
(C) सलाहों: यह बहुवचन का तिर्यक रूप है जो कारक चिन्हों के साथ आता है।
(D) सलाह का: यह संबंध कारक का रूप है जो यहाँ अर्थहीन है।
अतः, सही शब्द 'सलाह' है।

**अंतिम उत्तर: सलाह**

**Answer: (A)**

## Q39.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न सही क्रियाविशेषण वाक्यांश के चयन से संबंधित है जो क्रिया के होने का तरीका बताता है।

**समाधान:** वाक्य है: "वह _____ पढ़ाई करता है।" यहाँ पढ़ाई करने के तरीके को बताना है। 'मन लगाकर' या 'ध्यान से' पढ़ाई करने के भाव को व्यक्त करने के लिए सही वाक्यांश चुनना है।
(A) मन: "वह मन पढ़ाई करता है।" यह व्याकरण की दृष्टि से गलत है।
(B) मन से: "वह मन से पढ़ाई करता है।" इसका अर्थ है 'वह लगन से/दिल लगाकर पढ़ाई करता है'। यह एक सही और प्रचलित मुहावरेदार प्रयोग है।
(C) मनों: यह 'मन' का बहुवचन रूप है, जो यहाँ अनुपयुक्त है।
(D) मन का: यह संबंध कारक का रूप है जो यहाँ सही अर्थ नहीं देता।
अतः, सही वाक्यांश 'मन से' है।

**अंतिम उत्तर: मन से**

**Answer: (B)**

## Q40.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न क्रिया के तरीके को दर्शाने वाले सही क्रियाविशेषण वाक्यांश को पहचानने पर केंद्रित है।

**समाधान:** वाक्य है: "यह काम _____ करना चाहिए।" यहाँ काम करने के ढंग को बताने वाले शब्द की आवश्यकता है।
(A) ध्यान: यह एक संज्ञा है। "यह काम ध्यान करना चाहिए" गलत है।
(B) ध्यान से: इसका अर्थ है 'सावधानीपूर्वक' या 'एकाग्रता के साथ'। "यह काम ध्यान से करना चाहिए।" यह वाक्य व्याकरण की दृष्टि से पूर्णतः सही है और सही भाव व्यक्त करता है।
(C) ध्यान का: यह संबंध कारक का रूप है जो यहाँ अनुपयुक्त है।
(D) ध्यानों: यह बहुवचन रूप यहाँ अर्थहीन है।
अतः, रिक्त स्थान के लिए सही वाक्यांश 'ध्यान से' है।

**अंतिम उत्तर: ध्यान से**

**Answer: (B)**

## Q41.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न क्रिया के होने के तरीके या गति को बताने वाले सही क्रियाविशेषण का चयन करने से संबंधित है।

**समाधान:** वाक्य है: "उसने काम _____ पूरा किया।" यहाँ क्रिया 'पूरा किया' की विशेषता बतानी है, कि काम कैसे पूरा किया।
(A) जल्दी: यह एक क्रियाविशेषण है। "उसने काम जल्दी पूरा किया।" यह वाक्य सही है।
(B) जल्दी से: यह भी एक क्रियाविशेषण वाक्यांश है। "उसने काम जल्दी से पूरा किया।" यह वाक्य भी सही है और बहुत प्रचलित है। यह काम करने की शीघ्रता पर जोर देता है।
(C) जल्द: इसका प्रयोग भी 'जल्दी' के अर्थ में होता है, पर यह थोड़ा औपचारिक है।
(D) जल्दों: यह कोई शब्द नहीं है।
विकल्प (A) और (B) दोनों सही हैं, लेकिन 'जल्दी से' क्रिया के तरीके (manner) को अधिक स्पष्ट रूप से बताता है, जैसे 'ध्यान से' या 'मन से'। इसलिए यह व्याकरण की दृष्टि से अधिक सटीक विकल्प है।

**अंतिम उत्तर: जल्दी से**

**Answer: (B)**

## Q42.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न व्याकरण के मूलभूत अंगों (शब्द-भेद) की पहचान और उनके सही मिलान पर आधारित है। इसमें संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया की परिभाषा को समझना आवश्यक है।

**समाधान:** हम प्रत्येक शब्द-भेद का उसके उदाहरण से मिलान करेंगे:
(1) संज्ञा: किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। दिए गए उदाहरणों में 'पुस्तक' एक वस्तु का नाम है, अतः यह संज्ञा है। (1 □ iii)
(2) सर्वनाम: जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। 'वह' एक पुरुषवाचक सर्वनाम है, जो किसी व्यक्ति के नाम के स्थान पर उपयोग होता है। (2 □ i)
(3) विशेषण: जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। 'सुंदर' शब्द किसी की विशेषता (गुण) बताता है, जैसे 'सुंदर फूल'। (3 □ ii)
(4) क्रिया: जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं। 'दौड़ना' एक कार्य है, अतः यह क्रिया है। (4 □ iv)
इस प्रकार सही मिलान है: 1-iii, 2-i, 3-ii, 4-iv।

**अंतिम उत्तर: 1-iii, 2-i, 3-ii, 4-iv**

**Answer: (A)**

## Q43.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न हिन्दी व्याकरण के कारक और उनके विभक्ति चिह्नों (परसर्ग) के ज्ञान पर आधारित है।

**समाधान:** हम प्रत्येक कारक का उसके सही विभक्ति चिह्न से मिलान करेंगे:
(1) कर्ता कारक: जो क्रिया को करता है। इसका विभक्ति चिह्न 'ने' है (जैसे: राम ने खाना खाया)। (1 ☐ ii)
(2) कर्म कारक: जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है। इसका विभक्ति चिह्न 'को' है (जैसे: मोहन ने सोहन को पीटा)। (2 ☐ iii)
(3) करण कारक: जो क्रिया का साधन हो। इसका विभक्ति चिह्न 'से' या 'के द्वारा' है (जैसे: वह कलम से लिखता है)। (3 ☐ i)
(4) अधिकरण कारक: जो क्रिया का आधार (स्थान या समय) हो। इसका विभक्ति चिह्न 'में' या 'पर' है (जैसे: किताब मेज पर है)। (4 ☐ iv)
इस प्रकार सही मिलान है: 1–ii, 2–iii, 3–i, 4–iv।

**अंतिम उत्तर: 1–ii, 2–iii, 3–i, 4–iv**

**Answer: (A)**

## Q44.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न हिन्दी व्याकरण में लिंग (पुल्लिंग, स्त्रीलिंग) और वचन (बहुवचन) की पहचान पर आधारित है। (नोट: हिन्दी में मुख्यतः दो लिंग होते हैं, नपुंसकलिंग संस्कृत में होता है, लेकिन यहाँ निर्जीव वस्तु को उससे मिलाया गया है)।

**समाधान:** हम प्रत्येक व्याकरणिक कोटि का उसके उदाहरण से मिलान करेंगे:
(1) पुल्लिंग: जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है। 'लड़का' एक पुल्लिंग शब्द है। (1 ☐ iv)
(2) स्त्रीलिंग: जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है। 'लड़की' एक स्त्रीलिंग शब्द है। (2 ☐ ii)
(3) नपुंसकलिंग: हिन्दी में यह लिंग नहीं होता, पर दिए गए विकल्पों में 'पुस्तक' एक निर्जीव वस्तु है, जिसे इस श्रेणी में रखा जा सकता है। (3 ☐ iii)
(4) बहुवचन: जिस शब्द से एक से अधिक संख्या का बोध हो। 'बच्चे', 'बच्चा' का बहुवचन रूप है। (4 ☐ i)
इस प्रकार सही मिलान है: 1–iv, 2–ii, 3–iii, 4–i।

**अंतिम उत्तर: 1–iv, 2–ii, 3–iii, 4–i**

**Answer: (A)**

## Q45.

### Solution

**संकल्पना:** यह प्रश्न क्रिया के काल (Tense) और वाक्य के प्रकार (Sentence Type) की पहचान पर आधारित है।

**समाधान:** हम प्रत्येक काल/वाक्य प्रकार का उसके सही उदाहरण से मिलान करेंगे:
(1) वर्तमान काल: क्रिया का वर्तमान समय में होना। 'जाता है' से वर्तमान में होने वाली क्रिया का बोध होता है। (1 ☐ iii)
(2) भूतकाल: क्रिया का बीते हुए समय में होना। 'गया' से क्रिया के समाप्त हो जाने का बोध होता है। (2 ☐ iv)
(3) भविष्यत काल: क्रिया का आने वाले समय में होना। 'जाएगा' से भविष्य में होने वाली क्रिया का बोध होता है। (3 ☐ ii)
(4) आज्ञार्थक वाक्य: जिस वाक्य में आज्ञा, आदेश या अनुरोध का भाव हो। 'जाओ' एक आज्ञा है। (4 ☐ i)
इस प्रकार सही मिलान है: 1–iii, 2–iv, 3–ii, 4–i।

**अंतिम उत्तर:** 1–iii, 2–iv, 3–ii, 4–i

**Answer: (A)**

## Q46.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक मुहावरे पर आधारित प्रश्न है, जिसमें उसके लाक्षणिक अर्थ को पहचानना है।

**समाधान:** मुहावरा 'नाक में दम करना' का शाब्दिक अर्थ नहीं लिया जाता। इसका लाक्षणिक अर्थ है किसी को बहुत ज्यादा परेशान करना, जिससे वह ऊब जाए। उदाहरण के लिए, "शोर मचाकर बच्चों ने माँ की नाक में दम कर दिया।" दिए गए विकल्पों में 'तंग करना' इसका सबसे सटीक अर्थ है।

**अंतिम उत्तर:** तंग करना

**Answer: (A)**

## Q47.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक मुहावरे पर आधारित प्रश्न है, जिसमें उसके सही अर्थ का चयन करना है।

**समाधान:** मुहावरा 'आँखों का तारा' का अर्थ होता है बहुत अधिक प्रिय होना। जिस प्रकार तारे दूर होकर भी सुंदर और प्रिय लगते हैं और आँखों को भाते हैं, उसी प्रकार बहुत प्यारे व्यक्ति के लिए इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण: "हर बच्चा अपनी माँ की आँखों का तारा होता है।" अतः इसका सही अर्थ 'प्रिय व्यक्ति' है।

**अंतिम उत्तर:** प्रिय व्यक्ति

**Answer: (A)**

## Q48.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक लोकोक्ति पर आधारित प्रश्न है, जिसमें उसके गहरे भावार्थ को समझना है।

**समाधान:** लोकोक्ति 'दूध का जला छाछ भी फूँक–फूँक कर पीता है' का अर्थ है कि जब किसी व्यक्ति को किसी कार्य में एक बार धोखा या हानि हो जाती है, तो वह भविष्य में बहुत सतर्क हो जाता है और समान परिस्थितियों में हर कदम सोच–समझकर उठाता है। इसका मूल भाव अनुभव से सीखकर अत्यधिक 'सावधानी बरतना' है।

**अंतिम उत्तर: सावधानी बरतना**

**Answer: (A)**

## Q49.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक मुहावरे पर आधारित प्रश्न है, जिसमें उसके सही अर्थ का चयन करना है।

**समाधान:** मुहावरा 'हाथ मलना' का प्रयोग उस स्थिति में किया जाता है जब कोई अवसर हाथ से निकल जाता है और व्यक्ति के पास पछताने के सिवा कुछ नहीं बचता। अवसर खो देने पर होने वाले अफसोस और लाचारी को यह मुहावरा व्यक्त करता है। उदाहरण: "समय पर पढ़ाई न करने वाले छात्र परीक्षा में फेल होने पर हाथ मलते रह जाते हैं।" अतः इसका सही अर्थ 'पछताना' है।

**अंतिम उत्तर: पछताना**

**Answer: (B)**

## Q50.

### Solution

**संकल्पना:** यह एक मुहावरे पर आधारित प्रश्न है, जिसमें उसके लाक्षणिक अर्थ को पहचानना है।

**समाधान:** मुहावरा 'आसमान सिर पर उठाना' एक अतिशयोक्तिपूर्ण अभिव्यक्ति है। इसका प्रयोग तब किया जाता है जब कोई व्यक्ति या समूह बहुत अधिक शोर, हंगामा या उपद्रव करता है। उदाहरण: "शिक्षक के कक्षा से बाहर जाते ही बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।" इसका सही अर्थ है 'बहुत शोर–शराबा करना'।

**अंतिम उत्तर: बहुत शोर–शराबा करना**

**Answer: (A)**

# Answer Key

| Q | Ans | Q | Ans | Q | Ans | Q | Ans | Q | Ans |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | B | 2 | B | 3 | B | 4 | B | 5 | B |
| 6 | B | 7 | A | 8 | B | 9 | B | 10 | B |
| 11 | A | 12 | B | 13 | B | 14 | C | 15 | B |
| 16 | C | 17 | C | 18 | B | 19 | B | 20 | B |
| 21 | A | 22 | B | 23 | A | 24 | B | 25 | A |
| 26 | B | 27 | A | 28 | B | 29 | A | 30 | A |
| 31 | A | 32 | A | 33 | A | 34 | A | 35 | A |
| 36 | A | 37 | A | 38 | A | 39 | B | 40 | B |
| 41 | B | 42 | A | 43 | A | 44 | A | 45 | A |
| 46 | A | 47 | A | 48 | A | 49 | B | 50 | A |